राजीव गुप्ता ने अपनी सफलता की कहानी बच्चों के साथ शेयर की

एपीजे आई.एम.ई.टी. में वेबिनार के दौरान।

जालंधर, 10 सितंबर (रोहित सिद्धू) : एपीजे इंस्टीच्यूट ऑफ मैनेजमैंट एंड इंजीनियरिंग टैक्नीकल कैंपस रामामंडी में एक वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार के रिसोर्सपर्सन राजीव गुप्ता थे। सैशन की शुरुआत ट्रेनिंग व प्लेसमैंट अफसर कंवल गुरलीन सिंह ने की।

राजीव गुप्ता ने अपनी सफलता की कहानी बच्चों के साथ शेयर की। उन्होंने बताया कि हमारा ऑब्जैक्टिव प्रोपर एजुकेशन पाना होना चाहिए। स्टूडैंट्स को कभी भी अपनी टीचिंग फैकल्टी की तुलना एक-दूसरे से नहीं करनी चाहिए। उन्होंने वुडपैकर की उदाहरण देते हुए बताया कि प्रति घंटा है। हम जब किसी पाथ को चुनते हैं तब ही हमें उसकी नॉलेज मिलती है। हमें वह चेंज बनना चाहिए जो हम दुनिया में देखना चाहते हैं। उन्होंने स्टूडैंट्स से कहा कि उनका इंस्टीच्यूट उन्हें अच्छा स्पीकर बनना सिखाएगा। उन्हें डिफ्रैंट तरह से सोचना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने 3डी सोच अपनाने को कहा जो कि डैडीकेशन, डिटर्मिनेशन और डिलीवरी को दर्शाती है। 5सी की मैथेडोलॉजी अपनाने को भी कहा जिसमें कंसस्टैंसी, कंपीटैंसी, करेज व कॉन्फीडैंस, कम्यूनिकेशन और कम्पास को दर्शाती है। कैंपस के डायरैक्टर डा.

Dainik Savera 11 September 2020